



Goodu kumar

27 Oct 2025

03:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121426003

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 26-27/10/2025  
दिन \_\_\_\_\_: रवि-सोमवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 03:15:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 51:54:26 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 02:53:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:16:05 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 05:15:56 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:29:13 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:40:46 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:11:33 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: हेमन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 09:30:56 तुला  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 26:04:51 सिंह

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: धनु - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मूल - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: अतिगण्ड  
करण \_\_\_\_\_: बालव  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: श्वान  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: भा-भारत  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: वृश्चिक

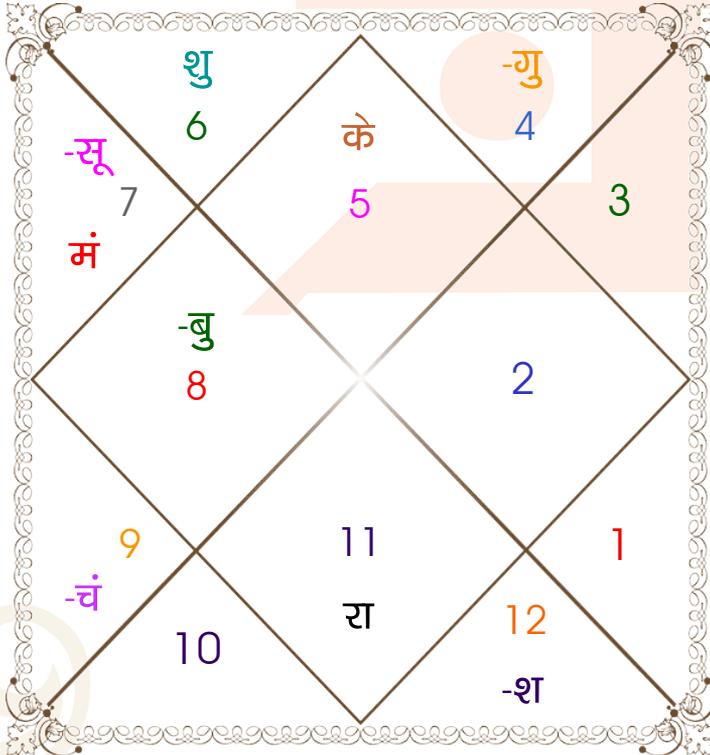
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	26:04:51	317:23:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
सूर्य			तुला	09:30:56	00:59:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			धनु	08:12:50	12:00:23	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			तुला	29:37:57	00:42:28	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	03:02:38	01:07:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			कर्क	00:31:39	00:03:03	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	21:59:04	01:14:52	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मीन	01:49:39	00:03:09	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:54:29	00:05:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:54:29	00:05:20	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:14:53	00:02:09	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:40:48	00:01:19	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:11:15	00:00:22	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			वृष	25:39:14	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

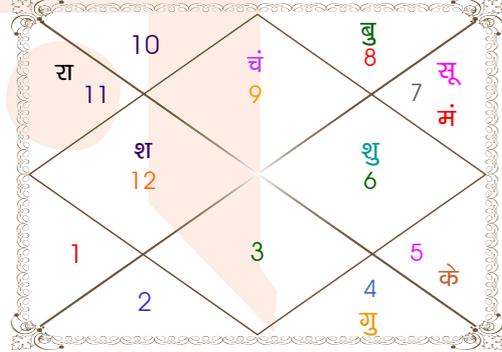
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

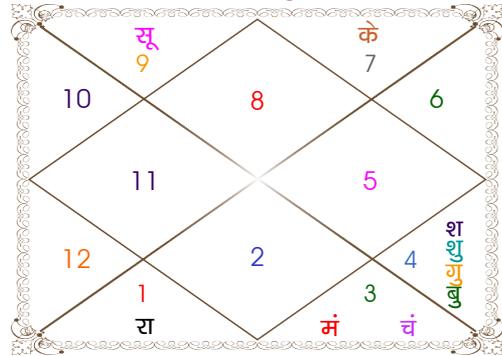
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 8 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
27/10/2025	04/07/2028	04/07/2048	05/07/2054	04/07/2064
04/07/2028	04/07/2048	05/07/2054	04/07/2064	05/07/2071
00/00/0000	शुक्र 04/11/2031	सूर्य 22/10/2048	चंद्र 05/05/2055	मंगल 30/11/2064
00/00/0000	सूर्य 03/11/2032	चंद्र 23/04/2049	मंगल 04/12/2055	राहु 19/12/2065
00/00/0000	चंद्र 05/07/2034	मंगल 28/08/2049	राहु 04/06/2057	गुरु 25/11/2066
00/00/0000	मंगल 04/09/2035	राहु 23/07/2050	गुरु 04/10/2058	शनि 04/01/2068
00/00/0000	राहु 04/09/2038	गुरु 11/05/2051	शनि 04/05/2060	बुध 31/12/2068
27/10/2025	गुरु 05/05/2041	शनि 22/04/2052	बुध 04/10/2061	केतु 29/05/2069
गुरु 29/05/2026	शनि 04/07/2044	बुध 27/02/2053	केतु 05/05/2062	शुक्र 29/07/2070
शनि 08/07/2027	बुध 05/05/2047	केतु 05/07/2053	शुक्र 04/01/2064	सूर्य 04/12/2070
बुध 04/07/2028	केतु 04/07/2048	शुक्र 05/07/2054	सूर्य 04/07/2064	चंद्र 05/07/2071

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
05/07/2071	05/07/2089	06/07/2105	05/07/2124	06/07/2141
05/07/2089	06/07/2105	05/07/2124	06/07/2141	00/00/0000
राहु 17/03/2074	गुरु 23/08/2091	शनि 08/07/2108	बुध 02/12/2126	केतु 02/12/2141
गुरु 10/08/2076	शनि 05/03/2094	बुध 19/03/2111	केतु 29/11/2127	शुक्र 01/02/2143
शनि 17/06/2079	बुध 10/06/2096	केतु 26/04/2112	शुक्र 29/09/2130	सूर्य 09/06/2143
बुध 03/01/2082	केतु 17/05/2097	शुक्र 27/06/2115	सूर्य 06/08/2131	चंद्र 08/01/2144
केतु 22/01/2083	शुक्र 16/01/2100	सूर्य 08/06/2116	चंद्र 04/01/2133	मंगल 05/06/2144
शुक्र 21/01/2086	सूर्य 04/11/2100	चंद्र 07/01/2118	मंगल 01/01/2134	राहु 23/06/2145
सूर्य 16/12/2086	चंद्र 06/03/2102	मंगल 16/02/2119	राहु 21/07/2136	गुरु 28/10/2145
चंद्र 16/06/2088	मंगल 10/02/2103	राहु 23/12/2121	गुरु 26/10/2138	00/00/0000
मंगल 05/07/2089	राहु 06/07/2105	गुरु 05/07/2124	शनि 06/07/2141	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरुद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरुष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरु दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विघ्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रखें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता है क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपको नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।